

निष्कल वि. (तत्.) जो कलाओं से रहित हो, पूर्ण, जो आंशिक न हो जैसे- आज पूर्णमासी को निष्कल चंद्रोदय होगा।

निष्कलुष वि. (तत्.) 1. जो किसी भी प्रकार के कलुष अथवा दाग-धब्बे से रहित हो, निर्मल, पापरहित, दोषरहित, पवित्र उदा. स्वामी दयानंद का जीवन निष्कलुष बीता।

निष्कषाय वि. (तत्.) 1. मलरहित, स्वच्छ, दुर्भावनाओं रहित, शुद्ध हृदय, मीरा ने कृष्ण की निष्कषाय हृदय से भक्ति की।

निष्काम वि. (तत्.) 1. कामनाओं से रहित, इच्छारहित, निस्पृह 2. सभी प्रकार की सांसारिक वासनाओं से रहित 3. फल की आसक्ति के बिना किया जाने वाला कर्म जैसे- गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन को निष्काम कर्म का उपदेश दिया।

निष्काम कर्म पुं. (तत्.) कामना रहित कर्म, कर्तव्य समझकर किया गया कर्म, फलप्राप्ति की इच्छा रहित कर्म विलो. काम्य कर्म।

निष्कामता स्त्री. (तत्.) निष्काम होने की क्रिया या भाव जैसे- निष्कामता योगी का प्रथम गुण है।

निष्काम प्रेम पुं. (तत्.) वह प्रेम जो बिना किसी कामना के किया जाता है, जिसमें केवल प्रेम भावना की अभिव्यक्ति एवं आत्म समर्पण का भाव होता है जैसे- राधा का श्री कृष्ण के प्रति प्रेम निष्काम प्रेम था।

निष्काम-भक्ति स्त्री. (दर्श.) 1. फल की प्राप्ति की आशा या कामना रहित की गई भक्ति 2. ऐसी भक्ति जिसमें देना या समर्पण करना ही उद्देश्य हो, लेने की इच्छा या कामना न हो जैसे- मीरा की निष्काम भक्ति विलो. सकाम भक्ति।

निष्काम-भाव पुं. (तत्.) 1. हृदयगत वह भाव जो किसी प्रकार की फल प्राप्ति की कामना से मुक्त हो विलो. सकाम भाव।

निष्कामी विं. (तत्.) जीवन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना न रखने वाला व्यक्ति।

निष्कारक वि. (तत्.) 1. किसी को समाज या जाति से निष्कासित करने वाला 2. बहिष्कार करने वाला, बहिष्कर्ता राज. किसी का निर्वासन या देश-निष्कासन करने वाला।

निष्कारण वि. (तत्.) 1. जिसका कोई कारण न हो, कारण रहित, जो बिना कारण के हो 2. अनावश्यक क्रि.वि. बिना कारण के, बेवजह।

निष्कासन पुं. (तत्.) 1. निकाल देना, बाहर कर देना 2. प्रशा. अवांछित अथवा आपत्तिजनक कृत्य के परिणाम स्वरूप किसी व्यक्ति या छात्र को समाज, क्लब, शिक्षण संस्था आदि से बाहर निकाल देने की क्रिया या भाव पर्या. बहिष्करण वाणि. 1. निकासी 2. रवन्ना 3. निकासी विक्रम 4. बहिष्कार, उत्क्षेपण 4. प्रशा. स्थानान्तरण, बर्खास्तगी, परच्युति, निराकरण, पृथक्करण, दूरीकरण।

निष्कासित वि. (तत्.) 1. जिसका निष्कासन हुआ हो, जो निकाल दिया गया हो 2. जिसे पद, नौकरी, वास स्थान आदि से निकाल दिया गया हो, बरखास्त 3. राज. प्रांतीय या राष्ट्रीय अपराध के दंड स्वरूप राज्य/राष्ट्र से बाहर निकाला हुआ।

निष्कासी स्त्री. (तत्.) 1. निकाले जाने की क्रिया 2. बाहर कर देने का कार्य 3. पद से हटाने की क्रिया।

निष्किंचन वि. (तत्.) जिसके पास कुछ भी (धन आदि) न हो, निर्धन, दरिद्र, अकिंचन, दीनहीन।

निष्कृत वि. (तत्.) 1. जिसे किसी कार्य के उत्सदायित्व से मुक्ति मिली हो 2. जिसको क्षमा मिली हो।

निष्कृति स्त्री. (तत्.) 1. मुक्ति, छुटकारा उदा. इस चिंता से निष्कृति पाऊँ 2. किसी के द्वारा किये गए उपकार का बदला या उससे मुक्ति, उन्मृण होने की अवस्था।